University in News on 10 November 2024

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

दोस्त मिले तो याद आए वो पुराने दिन...

लखनऊ। लविवि के हबीबुल्लाह छात्रावास में पुरातन सम्मेलन हुआ। मुख्य अतिथि पूर्व अंतःवासी हाइकोर्ट के जस्टिस ब्रजराज सिंह रहे। उन्होंने छात्रावास के दिन याद किए तो सभी पुराने दिनों में खो गए। हॉस्टल के छात्र रहे विधायक अजय सिंह ने पुराने किस्से साझा किए। मुख्य अतिथि ने छात्रावास के इतिहास को संजोती पत्रिका युगांतर का विमोचन किया। पूर्व अंतःवासी डॉ. राज महेश मिश्र की पुस्तक पंडित बद्रीनाथ मिश्रः जीवन व साहित्य और छात्रावास के नए लोगो का विमोचन किया गया। एसोसिएशन ने पूर्व छात्रों सामाजिक कार्यकर्ता एमपी सिंह, दीक्षांत में नौ मेडल पाने वाले श्रेयांश शुक्ला, चक्रवर्ती पदक से पुरस्कृत आयुष चौहान को सम्मानित किया। (संवाद)

समस्या पहचानने की कला सीखें विद्यार्थी

लखनऊ। लविवि के वाणिज्य विभाग में एमबीए (फाइनेंस एंड अकाउंटिंग) कार्यक्रम की ओर शनिवार को अकादमिक व्याख्यान कराया गया। मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने कहा, प्रतिस्पर्धी वातावरण में छात्रों और पेशेवरों को वे समस्याएं पहचानने की कला सीखनी चाहिए, जिनका वे सामना कर रहे हैं। समस्या को सही से परिभाषित करने मात्र से ही हम उसका स्थायी समाधान हासिल कर सकते हैं। (संवाद)

लविविः 16 तक जमा कर दें छात्रवृत्ति फॉर्म

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में छात्रवृत्ति के लिए आवेदन करने वालों को 16 नवंबर तक छात्रवृत्ति अनुभाग में प्रिंटआउट जमा करना होगा। ये वे छात्र होंगे, जिन्होंने आवेदन प्रक्रिया तो पूरी कर ली है पर अंतिम फॉर्म नहीं निकाल पा रहे हैं। ऐसे में इन्हें नया रजिस्ट्रेशन करना पड़ रहा है। इस संबंध में कुलसचिव विद्यानंद त्रिपाठी ने सभी विभागाध्यक्ष, डीन और निदेशकों को निर्देश जारी कर दिए हैं। पत्र में कहा कि बीते वर्ष गड़बड़ी के चलते बड़ी संख्या में विद्यार्थी छात्रवृत्ति से वंचित रह गए थे। इस बार ऐसा न हो, इसलिए तय तिथि में प्रिंटआउट जमा कर दें। इससे समय रहते उनकी समस्या को समाज कल्याण विभाग के अधिकारियों के सामने रखा जा सकेगा।

i-NEXT PAGE 6

एलयू का 104वां स्थापना दिवस सप्ताह 19 से

LUCKNOW (9 NOV): लखनऊ विश्वविद्यालय 25 नवंबर को अपना 104वां स्थापना दिवस मनाएगा. इससे पहले 19 नवंबर से स्थापना दिवस सप्ताह का आयोजन किया जाएगा, जिसमें विभागों की ओर से अलग-अलग कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे.

जारी किया गया पत्र

शनिवार को कुलसचिव विद्यानंद त्रिपाठी ने सभी संकाय अध्यक्ष, विभागाध्यक्ष, इंचार्ज व समन्वयकों को पत्र जारी कर स्थापना दिवस सप्ताह में स्पोर्ट्स, कल्चर, डिबेट, डांस, म्यूजिक व अन्य कार्यक्रम आयोजित किए जाने की पूर्व सूचना सचिव स्थापना दिवस की ई-मेल पर भेजने के लिए कहा है. लखनऊ यूनिवर्सिटी के स्थापना दिवस सप्ताह के कार्यक्रम मालवीय सभागार व एपी सेन सभागार में होंगे. मुख्य कार्यक्रम मालवीय सभागार में होना है. इस बार भी स्थापना दिवस के अवसर पर विज्ञान, कला सहित विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिष्ठित अपने पूर्व स्टूडेंट्स को सम्मानित किया जाएगा. इसको लेकर तैयारियां चल रही हैं.

JAGRAN CITY PAGE I

हबीबुल्लाह छात्रावासः यादों की सजी महफिल, वर्तमान से मिले पूर्व छात्र

एल्युमिनाई मीट का दीप जलाकर उद्घाटन करतीं प्रति कुलपति मनुका खन्ना, साथ में जस्टिस बृजराज सिंह, एडवोकेट एलपी मिश्रा, डा. महेंद्र अग्निहोत्री व अन्य • जागरण

जासं • लखनऊ : लवि के हबीबुल्लाह छात्रावास परिसर में शनिवार को शाम यादों और भावनाओं से भरी एक विशेष महफिल का आयोजन हुआ। यह अवसर था 'समागम 2024' का, जिसमें हबीबुल्लाह एलुमनाई संगठन ने पूर्व और वर्तमान छात्रों को एक मंच पर लाकर अनमोल यादों को ताजा किया। विशिष्ट अतिथि न्यायमूर्ति बृजराज सिंह ने अपने यादों को साझा करते हुए बोले, हास्टल ने बहुत कुछ दिया। छह वर्ष यहां रहा, इस हास्टल की खासियत रही कि यहां से पढ़कर निकलने वाला हर विद्यार्थी किसी न किसी क्षेत्र में सफल रहा है।

कार्यक्रम में 'युगांतर' नामक पत्रिका का विमोचन हुआ, जिसमें छात्रावास के इतिहास को संजोया गया है। इसके साथ ही, छात्रावास के पूर्व छात्र रहे डा. राज महेश मिश्र द्वारा रचित पुस्तक 'पंडित बद्रीनाथ मिश्रः जीवन व साहित्य' का विमोचन हुआ, जिसने सभी को हबीबुल्लाह छात्रावास की पुरानी विरासत से जोड़ा। इसके बाद वरिष्ठ पूर्व छात्रों को विशिष्ट सम्मान दिया गया। इस वर्ष सम्मानितों में प्रो. सीपी सिंह (पूर्व अधिष्ठाता, विधि संकाय) और समाजसेवी एमपी सिंह शामिल रहे। इसके अलावा, चेस, टेबल टेनिस, बैडमिंटन, वालीबॉल जैसी प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को भी पुरस्कार दिए गए। हास्टल के छात्र प्रियांशु की मधुर गायन प्रस्तुति और आशुतोष सिंह की कविता 'मनोरम की थाली,' ने सभी पूर्व छात्रों को मेस के पुराने दिनों की याद दिलाई। छात्रावास के दिवंगत राणा प्रताप सिंह, सर्वेंद्र सिंह, और शैल सिंह को श्रद्धांजलि दी गई। प्रति कुलपति प्रो. मनुका खन्ना ने अतिथियों संग दीप जलाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। संचालन अनिल सिंह वीरू और डा. जितेश सिंह ने किया। डा. महेंद्र अग्निहोत्री ने सभी का धन्यवाद किया।

'जलवायु परिवर्तन के बावजूद बढ़ भी रहे कुछ ग्लेशियर'

जासं • लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के भूविज्ञान विभाग में शनिवार को 26वें प्रो. एसएन सिंह मेमोरियल लेक्चर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सम्मानित अतिथि के रूप में भारतीय जीवाश्म विज्ञान सोसायटी (पीएसआइ) के पूर्व अध्यक्ष प्रो. एसएन सिंह ने यादें साझा कीं।

पीएसआइ के अध्यक्ष डा. राजीव निगम सहित 50 से अधिक प्रमुख विज्ञानी आनलाइन शामिल हुए। इनमें विशेष अतिथि नीदरलैंड्स से डा. थिज वैन कोल्फस्कोटेन भी रहे। मुख्य अतिथि बीरबल साहनी जीवाश्म विज्ञान संस्थान और वाडिया हिमालय भूविज्ञान संस्थान के निदेशक प्रो. एमजी ठक्कर ने भूविज्ञान विभाग की प्रतिष्ठा को सराहा। पीएसआइ की सचिव डा. अंजू सक्सेना ने भी अपने विचार रखे। विभागाध्यक्ष प्रो. ध्रुव सेन सिंह ने गढ़वाल हिमालय के गंगोत्री ग्लेशियर क्षेत्र का भूवैज्ञानिक अवलोकन विषय पर उन्होंने चर्चा की। बताया कि कुछ ग्लेशियर जलवायु परिवर्तन के बावजूद बढ़ भी रहे हैं। प्रो. सिंह ने केम टेरेस पर अपने महत्वपूर्ण निष्कर्ष साझा किए, जिसमें लगभग 5000 और 15000 वर्ष पूर्व गंगोत्री ग्लेशियर के समीप अत्यधिक जल निकासी गतिविधि के साक्ष्य पाए गए।

HINDUSTAN PAGE 9

सही सवाल पूछना अत्यंत आवश्यकः कुलपति

लखनऊ। आज के तेजी से बदलते और प्रतिस्पर्धी वातावरण में छात्रों और पेशेवरों को उन समस्याओं को पहचानने की क्षमता विकसित करनी चाहिए, जिनका वह सामना कर रहे हैं। सही सवाल पूछना अत्यंत आवश्यक है। ये बातें कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने कही। वह एलयू में वाणिज्य विभाग के तहत एमबीए फाइनेंस एंड अकाउंटिंग की ओर से व्याख्यान को संबोधित कर रहे थे।

गांधी, आंबेडकर की विचारधारा से न्याय को बढ़ावा

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के दर्शनशास्त्र विभाग में गांधीवाद और अंबेडकरवाद के मध्यमार्गी से राष्ट्र निर्माण पर सेमिनार हुआ वक्ता अनुज शंकर मिश्रा रहे। उन्होंने बताया कि महात्मा गांधी ने समाज में समानता और अहिंसा के सिद्धांतों पर जोर दिया। डॉ. भीमराव अंबेडकर ने समानता, सामाजिक न्याय के लिए संवैधानिक सुधारों और गतिशील अर्थव्यवस्था का समर्थन किया।

AMRIT VICHAR PAGE 4

ध्रुव सेन सिंह ने गंगोत्री ग्लेशियर के रहस्य बताए

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : लखनऊ विश्वविद्यालय के भूविज्ञान विभाग में 26वां प्रो. एसएन सिंह मेमोरियल लेक्चर आयोजित किया गया।

इसमें भूविज्ञान विभाग के अध्यक्ष प्रो. ध्रुव सेन सिंह ने ग्लेशियरों के पीछे हटने की दरों, गंगोत्री ग्लेशियर को पोषित करने वाले सहायक ग्लेशियरों और जलवायु परिवर्तन के प्रभाव से ग्लेशियर व्यवहार की जटिलताओं के बारे में बताया। बताया कि कुछ ग्लेशियर जलवायु परिवर्तन के बावजूद भी बढ़ रहे हैं। केम टेरेस पर महत्पूर्ण निष्कर्ष साझा किए।

जिसमें लगभग 5000 और 15000 वर्ष पूर्व गंगोत्री ग्लेशियर के समीप अत्यधिक जल निकासी गतिविधि के साक्ष्य पाए गए। प्रो. एमपी सिंह ने प्रो. एसएन सिंह की यादें साझा कीं। पीसीआई के अध्यक्ष डॉ. राजीव निगम सहित 50 से अधिक वैज्ञानिकों ने ऑनलाइन भाग लिया।

विशेष अतिथि नीदरलैंड्स से डॉ. थिज वैन कोल्फस्कॉटेन के पूर्व अध्यक्ष और मुख्य अतिथि बीरबल साहनी जीवाश्म विज्ञान संस्थान और वाडिया हिमालय भूविज्ञान संस्थान के निदेशक प्रो. एमजी ठक्कर रहे। डॉ. अंजू सक्सेना ने पीएसआई की स्थापना के बारे में जानकारी दी।

TOI PAGE 3

LU geoloist shares insights on Gangotri glacier

Lucknow: A 'Geological overview of the Gangotri glacier area, Garhwal Himalaya' was presented by Lucknow University's geology department head, Prof Dhruv Sen Singh, during the 26th Prof SN Singh memorial lecture on Saturday.

Prof Singh's talk on his research covered varying retreat rates, tributary glacier interactions and importance of lateral moraines. He gave details on how environmental conditions influence glacier behaviour, noting that some glaciers advance despite climate changes. His research revealed significant fluvial activity near Gangotri glacier snout approximately 5,000 and 15,000 years ago, evidenced by kame terraces.

Participants paid tribute to Prof SN Singh, who established Palaeontological Society of India (PSI) and made contributions to Indian geology. Former department head and PSI president, Prof MP Singh spoke about Prof SN Singh. The event attracted scientists from across India, including PSI president Dr Rajiv Nigam. Dr Thijs Van Kolfschoten from the Netherlands, who previously led International Union for Quaternary Research (INQUA), was special international guest. TNN

HT PAGE 4

LU profs endorse AI use with caution for students

Godhooli Sharma
godhooli.sharma@htlive.com

LUCKNOW : With assignment deadlines and semester exams approaching at Lucknow University, faculty members have offered guidance on the use of Artificial Intelligence (AI) in academics. In response to queries from Hindustan Times, professors and department heads encouraged students to explore new technologies but warned against over-reliance on AI.

Dean of academics, prof Geetanjali Mishra, shared that while AI can be helpful for refining language or checking grammar, students often misuse it by copying assignments directly. She said that assignments are intended to promote learning, and excessive use of AI can hinder this process, leading to dependency.

"Even if they are using AI they must check the references and use the tool mindfully and get the final work done using their brain. They can use it for enhancing their language and for spell checks and grammar checks but excessive use of AI would make them completely dependent on technology," said Mishra.

Dean of arts, prof Arvind Mohan, echoed similar concerns, stating that assignments are given to help students acquire skills, and relying on AI during this phase compromises their development. "There is no substitute to hard work and regular practice. It would be more beneficial to students than studying with AI on the last night before the examination," said Mohan.

Professors say assignments are given to help students acquire skills, and relying on AI compromises their development. FOR REPRSENTATION

Prof DR Sahu, head of sociology, cautioned that AI dependency is diminishing students' creativity and innovation. While AI tools can provide assistance, Sahu urged students to avoid becoming "slaves to technology" and to retain a hands-on approach to their studies.

HoD Geology, prof Dhruvsen Singh, said that the assignments are given so that the students get in-depth theoretical knowledge of their subjects and AI is not a better way to learn Earth sciences than stepping out in nature.

Highlighting AI's limitations in research accuracy, prof Mukul Srivastava, head of journalism and mass communication, warned that AI tools might offer outdated or incorrect references. "Thorough research on references provided by AI tools is important before quoting them anywhere. One should still consider studying from other sources than studying from AI applications which are not updated regularly," advised Srivastava.